कलिंगा विश्वविद्यालय, अटल नगर,

नया रायपुर (छत्तीसगढ़)

पाठ्यक्रम

एम. ए. पूर्व हिन्दी

एम. ए. अंतिम हिन्दी

सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली

सत्र– 2019–20

सत्र 2019–20 एम.ए. हिन्दी अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली

प्रथम सेमेस्टर

पेपर कोड	प्रश्न प्रत्र	केडिट	बाह्य परीक्षा	आंतरिक परीक्षा	कुल अंक
MAHIN101	आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल	5	70	30	100
MAHIN102	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	5	70	30	100
MAHIN103	छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य	5	70	30	100
MAHIN104	नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति	5	70	30	100
कुल		20	280	120	400

द्वितीय सेमेस्टर

पेपर कोड	प्रश्न प्रत्र	केडिट	बाह्य परीक्षा	आंतरिक परीक्षा	कुल अंक
MAHIN201	उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल	5	70	30	100
MAHIN202	मध्यकालीन काव्य	5	70	30	100
MAHIN203	प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य	5	70	30	100
MAHIN204	उपन्यास, निबंध एवं कहानी	5	70	30	100
कुल		20	280	120	400

तृतीय सेमेस्टर

पेपर कोड	प्रश्न प्रत्र	क्रेडिट	बाह्य परीक्षा	आंतरिक परीक्षा	कुल अंक
MAHIN301	साहित्य के सिद्वांत तथा आलोचना शास्त्र	5	70	30	100
MAHIN302	भाषा विज्ञान	5	70	30	100
MAHIN303	कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता	5	70	30	100
MAHIN304	भारतीय साहित्य	5	70	30	100
कुल		20	280	120	400

चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर कोड	प्रश्न प्रत्र	क्रेडिट	बाह्य परीक्षा	आंतरिक परीक्षा	कुल अंक
MAHIN401	हिन्दी आलोचना तथिा समीक्षा शास्त्र	5	70	30	100
MAHIN402	हिन्दी शषा	5	70	30	100
MAHIN403	मीडिया लेखन एवं अनुवाद	5	70	30	100
MAHIN404	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	5	70	30	100
कुल		20	280	120	400

प्रथम सेमेस्टर

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
प्रथम सेमेस्टर

पेपर कोड 101

आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल

समय 3 घंटे पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 आदिकाल– इतिहास दर्शन और साहित्योतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्योतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिनदी साहित्य के इतिहास का काल – विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा रासों काव्य, सिध्द नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार।

इकाई–3 पूर्व मध्यकाल (भक्ति काल)

सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति – आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, काव्य–धाराएँ – निर्गुण , सगुन भक्ति धारा , संत काव्य सामान्य प्रवृत्तियॉ।

इकाई–4 सूफी प्रेमाख्यानक काव्य – प्रवृत्तियॉ, प्रेमाख्यानक परम्परा और हिनदी में उसका विकास।

रामभक्ति काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य , सामान्य प्रवृत्तियॉ और दार्शनिक विचाार धाराएँ उपलब्धियॉ।

निर्धारित पुस्तकेंः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (संशोंधन – आर्चार्य रामचंद्र शुक्ल)
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल –हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली) डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य (वारानसी विश्वविद्यालय प्रकाशन) डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका (हिन्दी ग्रंथ अकादमी)–डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
प्रथम सेमेस्टर

पेपर कोड 102

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय 3 घंटे पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नाकिंत तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 चंदरबरदाई– पृथ्वीराज रासों, संपादक आचार्य हजारी द्विवेदी , डॉ. नामवर सिंह (शशिवृता विवाह खंड)

इकाई–2 कबीर ग्रंथावली : सम्पादक डॉ. श्याम सुन्दर दास (100 साखियॉ तथा 25 पद)

पद क्रमांक – 11, 16, 24, 26, 27, 41, 45, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 79, 89, 93, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 268

साखियॉ– गुरुदेव कौ अंग 1 से 20, सुरिमण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ 1 से 10, चितावणी कौ अंग 1से 10, माया कौ अंग 1 से 5, परचा कौ अंग 1 से 10।

इकाई–3 मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत संपादक आ रामचंद्र शुक्ल (नागमति विरह खण्उ एवं सिंहल दीपखंण्ड)

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 6 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है, इन कवियों पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे – अमीर खुसरों, विद्यापति, मीराबाई, रहीम , रैदास, रसखान।

निर्धारित पुस्तकेंः–

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदरबरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन
3. प्रमुख प्राचीन कवि– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख– परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ठ शबदावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेषणात्मक अध्ययन
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरों और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. कबीर– डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
प्रथम सेमेस्टर

पेपर कोड 103

छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य

समय 3 घंटे पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नाकिंत तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1 मैथिलीशरण गुप्तः– साकेत नवम् सर्ग

इकाई–2 जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिन्ता , श्रध्दा , इड़ा सर्ग)

इकाई–3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला– राम की शक्ति पूजा , तुलसीदास (प्रथम 10 छंद)

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

अयोध्या सिंह उपध्याय – '' हरिऔध '' हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पांडेय, जगन्नाथ दास रत्नाकार , सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा

निधारित पुस्तकेंः–

1. साकेत एवं अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना– डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये साधना – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य– प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र
9. बच्चन की कविताओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – शीला शर्मा

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
प्रथम सेमेस्टर

पेपर कोड 104

नाटक एकांकी एवं रेखाचित्र (साहित्य)

समय 3 घंटे पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1	**नाटक**	1. चद्रगुप्त	–	जयशंकर प्रसाद
		2. हानूश	–	भीष्म साहनी
इकाई–2	**एकांकी**	1. दीपदान	–	रामकुमार वर्मा
		2. एक दीन	–	लक्ष्मीनारायण मिश्र
		3. रीढ़ की हड्डी	–	जगदीश चंद माथुर
		4. तौलिए	–	उपेन्द्र नाथ अश्क
		5. मम्मी ठकुराईन	–	लक्ष्मीनारायण लाल
इकाई–3	**रेखाचित्र (साहित्य)**		–	अतीत के चलचित्र (महादेवी वर्मा)

निधारित पुस्तकेंः–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास– डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिध्दांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन– डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिनदी नाटको में चरित्र सृष्टी – डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटको का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक – नगेन्द्र
7. नाटक रंगमंच ओर मोहन राकेश –डॉ. सुरेन्द्र यादव
8. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक –डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
9. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प– डॉ. शांति स्वरुप गुप्त
10. नाटककार मोहन राकेश –डॉ. सुंदर लाल कथुरिया
11. हिन्दी एकांकीः उद्‌भव और विकास – रामचरण महेन्द
12. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा – जयदेव तनेजा
13. भष्म साहनी के उपन्यास और नाटक – डॉ. राकेश कुमार तिवारी

द्वितीय सेमेस्टर

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
द्वितीय सेमेस्टर

पेपर कोड 201

(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषय :–

इकाई 1– उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)

काल सीमा, नामकरण, प्रवृत्तियॉ, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2– आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3– द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद– नामकरण और प्रवृत्तियॉ, प्रमुख साहित्यकार, साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियॉ) प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4– हिन्दी गद्य का विकास –

आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्त्यिॉ, निबंध का विकास और प्रवृत्तियॉ, नाटक का उद्भव और विकास– सामान्य प्रवृत्तियॉ, गीति–नाटकों का परिचयात्मक विवेचन।

निर्धारित पुस्तकें :–

1.	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ	–	डॉ. नामवर सिंह
2.	हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी	–	नन्ददुलारे वाजपेयी
3.	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	कृष्ण शंकर शुक्ल
4.	गद्य की विविध विधाएँ	–	डॉ. बापूराव देसाई
5.	हिन्दी कहानी – उद्भव और विकास	–	डॉ. सुरेश सिन्हा
6.	हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ	–	डॉ. शशि भूषण सिंह
7.	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास	–	डॉ. दशरथ ओझा
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9.	हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
द्वितीय सेमेस्टर

पेपर कोड 202

मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषय :– व्याख्या और विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा

इकाई 1– सूरदास – भ्रमरगीत सार – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)

पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)

इकाई 2– तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीताप्रेस गोरखपुर

इकाई 3– बिहारी – बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)

इकाई 4– द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है।

केशव, भूषण, पद्माकर, देव, घनानंद, कुम्भन दास

निर्धारित पुस्तकें :–

1.	बिहारी	–	डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2.	तुलसीदास और उनका युग संदर्भ	–	डॉ. भगीरथ मिश्र
3.	सूरदास के काव्य का मूल्यांकन	–	डॉ. रामरतन भटनागर
4.	तुलसी साहित्य के नये संदर्भ	–	डॉ. एल.एन.दुबे
5.	सूरदास	–	डॉ. हरबंस लाल वर्मा
6.	तुलसीदास	–	प्रो. सतीश कुमार अशोक प्रकाशन नई दिल्ली
7.	सूरदास	–	मैनेजर पाण्डेय

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
द्वितीय सेमेस्टर

पेपर कोड 203

(प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषय :–

इकाई –1 स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय – नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, सोन मछली

इकाई –2 गजानन माधव मुक्तिबोध – कविता – अंधेरे में।

इकाई –3 नागार्जुन – बसन्त की अगवानी, कोई आए तुमसे सीखे, शिशिर विष कन्या, तो फिर क्या हुआ, उषा की लाली, गुलाबी चुड़ियॉ, शासन की बंदूक, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा।

इकाई –4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, भवानी प्रसाद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, धूमिल

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रकिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. कविता का संगत – विजय कुमार
7. कविता का अर्थात – परमानंद श्रीवास्तव
8. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
9. छायावादोत्तर काव्यों की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
द्वितीय सेमेस्टर

पेपर कोड 204

आधुनिक गद्य साहित्य
(उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 70**

पाठ्य विषय :–

इकाई –1	उपन्यास–	1. गोदान	–	प्रेमचंद
		2. बाणभट्ट की आत्मकथा	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
इकाई –2	निबंध –	1. चढ़ती उमर	–	बालकृष्ण भट्ट
		2. कविता क्या हैं?	–	रामचंद्र शुक्ल
		3. गेहूँ बनाम गुलाब	–	रामवृक्ष बेनीपुरी
		4. तुम चन्दन हम पानी	–	विद्यानिवास मिश्र
		5. वैष्णव की फिसलन	–	हरिशंकर परसाई
इकाई –3	कहानी –	1. उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
		2. पुरस्कार	–	जयशंकर प्रसाद
		3. ईदगाह	–	प्रेमचंद
		4. चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
		5. बादलों के घेरे	–	कृष्णा सोवती

निर्धारित पुस्तकें :–

1.	प्रेमचंद और उनका युग	–	रामविलास शर्मा
2.	गोदान की अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ.गोपाल राय
3.	कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु	–	चंद्रभाव सोनवठी
4.	हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास	–	सिद्धनाथ तनेजा
5.	हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
6.	प्रेमचंद : एक अध्ययन	–	राजेश्वर गुरू
7.	महादेवी प्रतिनिधि गद्य रचनाएं	–	डॉ. रामजी पाण्डेय
8.	हिन्दी निंबध के आधार स्तम्भ	–	डॉ. हरिमोहन
9.	हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
10.	कहानी : नयी कहानी	–	नामवर सिंह
11.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	सं. विश्वनाथ तिवारी
12.	प्रेमचंद का जीवनदर्शन एवं रंगभूमि	–	डॉ. शंकर बुन्देले

तृतीय सेमेस्टर

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
तृतीय सेमेस्टर

पेपर कोड 301

(साहित्य के सिध्दांत तथा आलोचना शास्त्र)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषय :–

इकाई –1 भारतीय काव्य शास्त्र

काव्य लक्षण काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार

रस सिध्दांत , रस का स्वरुप , रस निष्पति और साधारणीकरण , रस के अंग ।

इकाई–2 अलंकार सिध्दांत रीती सिध्दांत , वक्रोक्ति सिध्दांत, ध्वनी सिध्दांत और औचित्य सिध्दांत

इकाई–3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र

प्लेटो – काव्य सिध्दांत

अरस्तु – अनुकरण का सिध्दांत, विरेचन सिध्दांत, लोंजाइनस –उदात्त की अवधारणा

इकाई–4 मैथ्यू आर्नल्ड – कला की अवधारणा

टी.एस. इलियट– कला की निर्वैयक्तिकता, कॉरिज – कल्पना सिध्दांत

स्वचच्छदतावाद– अभिजात्यवाद

निर्धारित पुस्तकें :–

1. डॉ. गणपति चंद्रगुप्त– भारतीय एवं पाश्चात्य बकाव्य सिध्दांत
2. डॉ. भागीरथ मिश्र– पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिध्दांत एवं वाद
3. डॉ. राममुर्मि त्रिपाठी– भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज
4. डॉ. शिवकुमार मिश्र– मार्क्सवादी साहित्य के सिध्दांत
5. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्य शास्त्र की भुमिका
6. डॉ. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
7. मुलजी भाई– भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8. डॉ. गंगा पगसाद विमल– आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में।

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
तृतीय सेमेस्टर

पेपर कोड 302

(भाषा विज्ञान)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषय :–

इकाई –1 भाषा और भाषा विज्ञान , भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण , भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार भाषा संरचना , भाषा विज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तूलनात्मक ।

इकाई–2 स्वन प्रकिया : स्वन विज्ञान का स्वरुप आक्र शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण , स्वनिक परिवर्तन ।
स्वनिम विज्ञान का स्वरुप, स्वनिम की अवधारणा , स्वनिम के भेद।

इकाई–3 व्याकरण : रुप विज्ञान का स्वरुप औश्र शाखाएँ, रुपिम की अवधारणा और भेद
मुक्त – आबध्द अर्थदशी और संबंधदशी रुपिम औश्र शाखाएँ , रुपिम के भेद और प्रकार्य।
वाक्य के भेद, वाक्य– विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

इकाई–4 अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन पर्यायवाची, अनेकार्थी, समानार्थी एवं विलोमार्थी

निर्धारित पुस्तकें :–

1. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबू राम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भालानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. राम निवास शर्मा
4. भाषाशास्त्र की रुपरेखा – उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र कपिलदेव द्विवेदी
7. सामान्य भाषा विज्ञान– बाबूराम सक्सेना
8. हिन्दी और उसका संक्षिप्त इतिहास – भोलानथ तिवारी
9. हिन्दी आक्र उसकी विविध बोलियॉ– प्रो. दीपचंद जैन
10. भाषा विज्ञान के सिध्दांत और हिन्दी भाषा– द्वारिका प्रसाद मिश्र

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
तृतीय सेमेस्टर

पेपर कोड 303

(कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता)

पूर्णांक : 70

इकाई–1 हिन्दी के विभिन्न रुप– सर्जनात्मक भाषा, यसंचार भाषा, राजभाषा माध्यम, भाषा, कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य – प्रारुपन, पत्र लेखन, संक्षेपण,पल्लवन, टिप्पनी।

इकाई–2 पारिभाषिक शब्दावली, स्वरुप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिध्दांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रो की पारिभाषिक शब्दावली । हिन्दी कम्प्यूटर – कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय।

इकाई–3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्यतता के सूत्र । इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप । हिन्दी सॉटवेयर पैकेज

इकाई–4 पत्रकारिता का स्वरुप एवं प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास । समाचार लेखन कला , संपादन के आध्धरभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, लीड इंट्रो एवं शीर्षक , संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचाार संहिता।

निर्धारित पुस्तकें :–

1. प्रयोजन परक हिन्दी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी, क्लासिक पप्लिक कम्पनी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन – तरुशिखा सुरजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. भारतीयसमाचार पत्रों का संगठन एवं प्रबंधन – डॉ. सुकुमार जैन
7. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनाावत्
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
9. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
तृतीय सेमेस्टर

पेपर कोड 304

(भारतीय साहित्य)

पूर्णांक : 70

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरुप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई–2 हिन्दीतर साहित्य का इतिहास जो तीन वर्गो में विभक्त है–

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग से मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

प्रत्येक विद्याार्थी इन तीनों विकल्पों में से एक भाषा चयन करेंगे बशर्ते वह भाषा अपनी क्षेत्रिय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो।

विद्यार्थी एक भाषा वर्ग (मलयालम, बंग्ला, मराठी) में से किसी एक के इतिहास का अध्ययन करेंगे।

इकाई–3 हिन्दी भाषा साहित्य एवं बंग्ला भाषा का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई–4 उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला– महाश्वेता देवी)

नाटक – हयवदन (कन्नड़– गिरिश कर्नाड)

कविता संग्रह– कोच्चि के दरख्त (मलयालम – के.जी. शंकर पिल्लै)

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मलयालम साहित्य – परख और पहचान –प्रो. आर सुरेन्द्रन
2. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर सुरेन्द्रन
3. मराठी भाषा और साहित्य– राजमल वोरा
4. मलयालम साहित्यकारों सेसाक्षात्कार – प्रो. आर सुरेन्द्रन
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास– भारतीय भाषा ंस्थान, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला – सं. कृष्णदयाल भार्गव
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ –डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य : अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश गुप्त

चतुर्थ सेमेस्टर

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर कोड 401

(हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 मनोविश्लेषण वाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियॉ, संरचावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता

इकाई–2 हिन्दी कवि आचार्य का काव्य शास्त्रीय चिंतन – लक्षण काव्य परम्परा
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंदुदुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा

इकाई–3 आधुनिक हन्दिी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ – शास्त्रीय ऐहिासिक, मनोविश्लेषणवादी, सौदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक

इकाई–4 व्यवहारिक समीक्षा : काव्यांश की स्वविवेक के अनुसाार व्याख्या

निर्धारित पुस्तकें :–

1. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत – शासत्रीय समीक्षा के सिध्दांत भाग 1 एवं 2
2. डॉ. भगवत स्वरुप मिश्र – हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास
3. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
4. डॉ. शिकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य
5. डॉ. नंदकिशोर नवल – हिन्दी आलोचना का विकास
6. योगेन्द्र शाही –अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक
7. श्रणधीर सिन्हा – आलोचनात्मक रामविलास शर्मा

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर कोड 402

(हिन्दी भाषा)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत अऔर उनकी विशेषताएँ । मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई–2 हिन्दी का भौगौलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी , राजस्थानी , बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियॉ । खड़ी बोली , ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।

इकाई–3 हिन्दी के विविध रुप – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रुप में हिन्दी माध्यम भाषा, संचार भाषा, हन्दिी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई–4 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिनछी भाषा शिक्षण। देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण।

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास– भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी औश्र उसकी विविध बोलियॉ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भटिया हिन्दी समिति उ.प्र. शासन लखनऊ
4. हिन्दी भाषा की रुप संपचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान– देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. भाषा विज्ञान– डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान –डॉ. भोलानाथ तिवारी

RAIPUR

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर कोड 403

(मीडिया –लेखन एवं अनवाद)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 मीडिया लेखन

जनसंचार : प्रौद्यागिक एवं चुनौतियॉ, विभिन्न जनसंचार – माध्यमों का स्वरुप – मुद्रण श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण –माध्यम (रेडियों) , मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियों नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन– लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

इकाई–2 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियों), दृश्य – माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं रव्य सामाग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पटकथा– लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रुपान्तरण, विज्ञापन की भाषा।

इकाई–3 अनुवाद सिध्दांत एवं व्यवहार

अनवाद का स्वरुप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि । हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका । कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचाारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वेज्ञानिक तकनीकी तथा प्रोद्यौगिकी क्षेत्रों में अनेवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद ।

इकाई–4 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शबदावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि पत्रों के अनुवाद, पदनामों – अनभागों – दस्तावेजों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिध्दांत एवं व्यवहार–कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषियॉ – प्रविधि।

निर्धारित पुस्तकें :–

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी– डॉ. चंद्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भागवन्त (उ. प्र. जयपुर)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम– वेदप्रताप वैदिक
5. छरदर्शन : हिन्दी के प्रयोनमूलक विविध प्रयोग : डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
7. अनुवाद के सिध्दांत– सुरेश कुमार
8. अनुवाद कसध्दांत की रुपरेखा– सुरेश कुमार
9. अनुवाद– बोध– डॉ. गार्गी गुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद् दिल्ली)

एम. ए. – (हिन्दी) 2019–20
चतुर्थ सेमेस्टर

पेपर कोड 404

जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

पूर्णांक : 70

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 छत्तीसगढ़ी भाशा– भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरुप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई–2 **छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियॉ एवं इतिहास।**

इकाई–3 **छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि–**

1. सुंदरलाल शर्मा
2. मुकुटधर पाएडेय
3. हरि ठाकुर
4. डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

इकाई–4 **छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास**

1. करमछड़हा – डॉ. खूबचंद बघेल
2. आवा (उपन्यास) – परदेशी राम वर्मा

इकाई–5 द्रुतपाठ हेकतु निम्नालिखित रचनाकार का अध्ययन (पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे)

1. लखन लाल गुप्त	2. लक्ष्मण मस्तुरिहा	3. केयुर भुषण
4. मुकुन्द कौशल	5. लोचन प्रसाद पाण्डे	6. लाला जगदलपुरी
7. पवन दीवान	8. कोदूराम दलित	9.

निर्धारित पुस्तकें :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास– डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा।
2. छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी भाषाओं का भाषा वेज्ञानिक अध्ययन – भालचंद्र राव तैलंग
3. छत्तीसगढ़ी परिचय – डॉ. बलदेव मिश्र
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन– दयाशंकर शुक्ल
5. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डाफ. शकुन्तला वर्मा
6. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. शंकर शेष
7. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली– प्यारेलाल गुप्त
8. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू
9. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आडिल
10. मनक छत्तीसगढ़ी भ्व्याकरण– चंद्रकुमार चंद्राकर